एमसीएम डीएवी कॉलेज फॉर वीमेन

सेक्टर ३६ ए, चंडीगढ़

एमसीएम डीएवी कॉलेज फॉर वीमेन द्वारा आयोजित आर्य समाज से सम्बंधित विविध गतिविधियां (वर्ष 2018 -19)

एमसीएम डीएवी कॉलेज फॉर वीमेन सेक्टर 36 ए के नए सत्र की शुरुआत दिनांक 23 जुलाई, 2019 को सामूहिक हवन से हुई । जिसका आयोजन कॉलेज की आर्य समाज कमेटी के सदस्यों के द्वारा किया गया। आर्य समाज मिशन के सदस्य डॉ राजू वैज्ञानिक जी मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने अपने सम्बोधन में जीवन में

सफलता प्राप्त करने के लिए आंतरिक शक्ति एवं सशक्त चरित्र के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि युवा कन्याओं को राष्ट्र निर्माण एवं समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में अपनी भूमिका को समझना होगा। इस पुनीत समायोजन पर प्रिंसिपल डॉ निशा भार्गव ने हवन के महत्व को स्पष्ट करते हुए कहा कि इससे न केवल आगामी सत्र को सफल व सार्थक बनाने हेतु देवाशीष मिलता है अपितु छात्राओं को कॉलेज के अंतर्निहित मूल्यों के बारे में भी पता चलता है। उन्होंने छात्राओं को उस ईश्वर से मनोबल प्राप्त कर राष्ट्र निर्माण हेतु प्रयत्नशील रहने के लिए प्रेरित किया। इसी अवसर पर न्यायमूर्ति मेहरचंद महाजन जी को भी श्रद्धांजलि देते हुए छात्राओं को उन पर बनायीं गयी प्रस्तुति भी दर्शायी गयी।

दिनांक 1 सितम्बर 2018 को आर्य युवती समाज के द्वारा हवन का आयोजन किया गया। हवन के पश्चात फ़ूड फॉर सोल इन द एज ऑफ़ टेक्नोलॉजी विषय पर हुई प्रतियोगिता में छात्राओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। जिसमे विजेयता कु. स्निग्धा (बी ए - I), कु. तान्या (बी ए – II) एवं कु. छवि (बी ए - III) ने क्रमशः पहला दूसरा एवं तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया।

दिनांक 3 सितम्बर 2019 को सेक्टर 16 आर्य समाज में आयोजित जन्माष्टमी पर्व पर महाविद्यालय के संगीत विभाग की छात्राओं ने भजन गायन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर संस्कृत विभाग की छात्रा आयुषी (बी ए- II) एवं काजल दुबे (बी कॉम- II) ने विषय

योगीराज श्री कृष्ण का चरित्र एवं महर्षि की दृष्टि में योगीराज कृष्ण पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। संस्कृत विभाग की अध्यक्षा डॉ सीमा कँवर ने गायन प्रस्तुति के लिए अन्य विद्यालयों से आये विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन हेतु वैदिक संस्कृति एवं नैतिक मूल्यों पर आधारित पुस्तकें वितरित की।

दिनांक 1 नवम्बर 2018 को आर्य युवती समाज के द्वारा छात्राओं में वैदिक मूल्यों का संचार करने के उद्देश्य से मासिक हवन का आयोजन किया गया। हवन के आध्यात्मिक अनुष्ठान के बाद महर्षि दयानन्द के जीवन और उनकी शिक्षाओं पर एक भाषण प्रतियोगिता हुई। जिसमे कु. विजयता, कु. आयुषी एवं कु. इशिता मुंजाल ने क्रमशः पहला, दूसरा एवं तीसरा स्थान प्राप्त किया। कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ निशा भार्गव ने वर्तमान तनाव ग्रस्त परिदृश्य में समाधान के लिए छात्राओं को सांस्कृतिक परंपरा एवं ऐतिहासिक धरोहर से जोड़ने के इस प्रयास की सराहना की।

दिनांक 7 नवंबर 2018 को कॉलेज की आर्य समाज कमेटी के सदस्य आर्य समाज सेक्टर 16 द्वारा आयोजित ऋषि निर्वाण दिवस पर सम्मिलित हुए।

दिनांक 14 जनवरी 2019 को महाविद्यालय के प्रांगण में सोमवार को मकर संक्रांति के त्यौहार पर हवन समारोह का आयोजन कर कॉलेज के नए सेमेस्टर का शुभारम्भ किया गया। हवन के आध्यत्मिक अनुष्ठान में प्रिंसिपल डॉ निशा भार्गव ने अपने प्रेरक सम्बोधन में छात्राओं को भगवान, माता पिता, शिक्षकों के साथ साथ प्रकृति के प्रति कृतज्ञ होने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए काम करने के लिए प्रेरित किया।

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 29 जनवरी 2019 को आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा द्वारा आयोजित नैतिक शिक्षा परीक्षा का आयोजन महाविद्यालय में किया गया जिसमे संस्कृत विभाग दूसरे बी ए की पहले, दूसरे एवं तीसरे वर्ष की छात्राओं ने परीक्षा दी।

दिनांक 17 मार्च 2019 को आर्य समाज सेक्टर 16 के 54 वें वार्षिक उत्सव में

महाविद्यालय के आर्य समाज कमेटी के सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस अवसर पर महाविद्यालय के सहयोग से आर्य महिला शिक्षा संस्थान द्वारा उनके उत्साहवर्धन हेतु एक प्रदर्शनी भी लगायी गयी। इस अवसर पर कॉलेज के संगीत विभाग की छात्राओं ने भजन गायन किया और कॉलेज की ओर से भजन गायन प्रस्तुत करने वाले सभी विद्यालय एवं महाविद्यालय के विद्यार्थियों को वैदिक मूल्यों पर आधारित पुस्तकों से पुरस्कृत किया गया।

दिनांक 1 मार्च 2019 को आर्य युवती समाज के द्वारा वैदिक मूल्यों को संचारित करने हेतु हवन का आयोजन किया। तदुपरांत आयोजित भाषण प्रतियोगिता में देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण विषय पर वक्ताओं ने अपने वक्तव्य द्वारा कड़ी प्रतिस्पर्धा का प्रदर्शन किया। पहले दूसरे एवं तीसरे स्थान पर क्रमशः नेहा, उमिका शर्मा एवं स्निग्धा मेहता रहीं। कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ निशा भार्गव ने सार्वभौमिक भाईचारे का सन्देश देते हुए सम्पूर्ण राष्ट्र को शांतिमय एवं प्रगतिशील भविष्य के लिए एकजुट होने को कहा।